गुजवि हरियाणा का अकेला विश्वविद्यालय, जिसे वर्ल्ड रैंकिंग मिली, भारत में शिक्षण श्रेणी में 25वां स्थान

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (गुजवि) को दा टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड युनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में विश्वविद्यालय को 801 से 1000 रैंक बैंड में स्थान मिला है।

शिक्षण श्रेणी में गुजवि भारत में 25वां स्थान मिला है। को हरियाणा में यह स्थान पाने वाला गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय इकलौता विश्वविद्यालय है। यह रैंकिंग टाइम्स हायर एजुकेशन लंदन द्वारा बुधवार की शाम को जारी की गई। विश्वविद्यालय को ओवरऑल कैटेगरी 25.1 से 3.1 स्कोर मिला है।

अलग-अलग श्रेणियों में मिले अलग-अलग स्थान

- भारत में ओवल ऑल केटेगरी में 19वां स्थान।
- शिक्षण श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर 25वां स्थान। इस श्रेणी में 29.5 स्कोर मिला।
- साइटेशन श्रेणी में विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय स्तर पर 18वां स्थान। विवि को 41.4 स्कोर मिला।
- शोध श्रेणी में भारत में 51वां स्थान। विवि को 8.9 स्कोर मिला।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण श्रेणी में 421वां स्थान।
- रैंकिंग में भारत के हिस्सा लेने वाले संस्थान 63।

> विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण व एतिहासिक उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के विश्वस्तर पर उपस्थिति दर्ज कराने का सपना अब साकार होने लगा है। इस रैंकिंग से न केवल विश्वविद्यालय के आधारभूत ढांचे को वैश्विक पहचान मिली है, बल्कि हरियाणा राज्य को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।
>
> - प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

टीचिंग, रिसर्च और साइटेशन के 90 फीसदी अंक थे निर्धारित

कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा ने बताया कि इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल के निदेशक प्रो. आशीष अग्रवाल के अनुसार यह रैंकिंग पांच मापदंडों के आधार पर जारी की गई थी, जिसमें शिक्षण, शोध, साइटेशन, इंडस्ट्री इन्कम तथा इंटरनेशनल आउटलुक शामिल थे, जिसमें टीचिंग, रिसर्च और साइटेशन के लिए 90 प्रतिशत अंक निर्धारित थे। विश्वविद्यालय को हाल ही में अटल रैंकिंग ऑन इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन एंड एचीवमेंट में छह से 25 रैंक बैंड में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्टस 86 तक पहुंच गया है, जो इस क्षेत्र में सर्वाधिक है। स्कोपस पब्लिशेन 2700 से ज्यादा हो गए हैं। साइटेशन की संख्या भी 43000 पार कर चुकी है। विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ रैंकिंग 2020 में भी 94वां स्थान मिला है। फार्मेसी कैटेगरी में विश्वविद्यालय 31वें स्थान पर रहा है।

MIC

MHRD

AICTE

ATAL RANKING OF INSTITUTIONS
ON INNOVATION ACHIEVEMENTS

Certificate of Appreciation

This is to certify that

Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar

is categorized as 'Band A' institution (rank between 6-25) in category of 'Govt. and Govt. Aided Universities' in Atal Ranking of Institutions on Innovation Achievement (ARIIA) 2020 announced on 18th Aug 2020.

Dr. Anil D Sahasrabudhe
Chairman, AICTE

Sh. Amit Khare
Secretary (HE), MHRD

Dr. Abhay Jere
Chief Innovation Officer
MHRD's Innovation Cell

ONLINE TECHNICAL INTERVIEW CONTEST

Hisar: The coding club of the GJUST, namely "GJUST Coders", under the mentorship of the training and placement cell conducted an online technical interview contest. Industry expert Pankaj Goyal, working as a software development engineer in a Bangalore-based company, interviewed 42 students of the club having at least 200 score in coding platforms like HackerEarth or HackeRank. The interview was based on programming and coding skills and problem-solving logic. Rashmi Garg and Saurabh from BTech CSE third year got the first and second position, respectively. Nitin Bansal and Kanak from BTech CSE fourth year got the third and fourth positions, respectively.

Online Technical Interview Contest In GJUS&T

जीजेयू लाइब्रेरी की 1 लाख 80 हजार पुस्तकें अब सिर्फ एक क्लिक से पढ़ें

यूजरनेम और पासवर्ड की मदद से पढ़ सकेंगे ई-बुक्स

अंशुल पांडेय| हिसार

पिछले छह महीने से कोविड-19 की वजह से स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स की पढ़ाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ऐसे में वर्चुअल क्लासेज और ऑनलाइन स्टडी के जरिए ही स्टूडेंट्स की क्लासेज लग पाई हैं। मगर अब स्टूडेंट्स के पास सबसे बड़ी कमी स्टडी मैटेरियल की है, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों की लाइब्रेरी अहम भूमिका निभा सकती है। इसी कड़ी में जीजेयू की डॉ. भीमराव अम्बेडकर लाइब्रेरी ने इस महामारी के बीच इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस की उपलब्धता को दूरस्थ इलाकों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। जीजेयू के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी के पास करीब 1 लाख 15 हजार मुद्रित पुस्तकों का भंडार है, मगर कोविड-19 के समय स्टूडेंट्स इन किताबों का फायदा नहीं उठा पा रहे थे। ऐसे में अब यूनिवर्सिटी की ओर से ई डेटाबेस के तहत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 1 लाख 80 हजार ई-बुक्स उपलब्ध करवाई गई है। इनमें राष्ट्रीय प्रकाशकों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों की किताबों को भी शामिल किया है।

पहले जीजेयू परिसर में केवल व्यापक नेटवर्क पर ही थी उपलब्धतता

जीजेयू के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि समय की नजाकत को देखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि अब ई-डेटाबेस के तहत दूर-दराज के इलाकों में भी स्टूडेंट्स ई-बुक्स का फायदा उठा पाएंगे। इससे पहले कुछ ई-बुक्स ही जीजेयू परिसर में व्यापक नेटवर्क पर स्टूडेंट्स एक्सेस कर पाते थे। मगर अब दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले जीजेयू स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी की ओर से दिए गए यूजरनेम और पासवर्ड के इस्तेमाल से इन किताबों का फायदा उठा पाएंगे।

करीब 18000 वीडियोज भी उपलब्ध

इसके साथ ही यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर उपलब्ध पर एनपीटीईएल (नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी इन्हान्स्ड लर्निंग) की करीब 18000 वीडियो उपलब्ध करवाई गई हैं। इन वीडियोज में रेगुलर कोर्स का स्टडी मैटेरियल शामिल होने के साथ शोधार्थियों को ध्यान में रखकर भी कई तरह की वीडियोज को शामिल किया है। इन वीडियोज को भी स्टूडेंट्स अपने घर में रहते हुए एक्सेस कर सकते हैं।

जे-गेट प्लस के जरिए एक ही साइट पर मिलेंगे रिसर्च जर्नल्स

यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों को फायदा पहुंचाने के लिए भी लाइब्रेरी की ओर से खासतौर पर साइट लॉन्च की गई है। इस साइट के जरिए शोधार्थी किसी भी तरह के रिसर्च जर्नल्स को आसानी से ढूंढ़ सकते हैं। इस साइट में भी किसी भी तरह के रिसर्च जर्नल तक पहुंचने के लिए स्टूडेंट को यूजरनेम और पासवर्ड की जरूरत होगी। इसके साथ ही शोधार्थियों तक साहित्यिक चोरी पकड़ने वाले सॉफ्टवेयर को भी डिपार्टमेंट्स की मदद से स्टूडेंट्स तक एक्सेस करवाया गया है। यह सॉफ्टवेयर यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स तक भी उपलब्ध करवाई गई है, जिससे प्रोफेसर साहित्यिक चोरियों पर ज्यादा से ज्यादा अंकुश लगा पाएं।

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

HISAR

celebrates its

Silver Jubilee

on 19TH OCTOBER 2020

पहले बैच के विद्यार्थी रेहड़ी को अंदर लाए थे, नाम रखा मड कैफे

हिसार। जब गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी, तब यहां केवल एक ही ब्लॉक था। उसी में प्रशासनिक कार्य होते थे और कक्षाएं भी उसी भवन में लगती थीं।

विश्वविद्यालय के पहले बैच के मास कम्यूनिकेशन के विद्यार्थी रहे वर्तमान में इंपीरियल कॉलेज के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर डॉ. सत्य सुरेंद्र सिंगला बताते हैं कि तब विवि का सिटी गेट नहीं था और एक नाला होता था। इसलिए विद्यार्थियों को दिल्ली रोड पर बने गेट से आना पड़ता था। विवि में कोई कैंटीन भी नहीं थी तो हम बाहर से एक रेहड़ी वाले को ले आए और उस रेहड़ी का नाम रखा मड कैफे। यहीं पर विद्यार्थी चाय पीते, समोसे खाते। ये बहुत यादगार लम्हें थे। उन्होंने विवि प्रशासन से उस रेहड़ी को अंदर लगवाने की प्रार्थना की थी।

आई थी बाढ़, लेकिन गुजवि में नहीं भरा था पानी : डॉ. सुरेंद्र सिंगला कहते हैं कि मैंने जुलाई 1995 में कुरुक्षेत्र विवि में मास कम्यूनिकेशन में दाखिला लिया था और हमारी कक्षाएं यहां हिसार में दिल्ली बाईपास पर स्थित रीजनल सेंटर में लगनी थीं। दाखिला लेने के साथ ही खबरें आने लगीं थी कि इस सेंटर को विवि बनाया जाएगा। उस वक्त भयंकर बाढ़ आई, लेकिन गुजवि में पानी नहीं भरा। हम कक्षाओं के बारे में पूछने जाते थे कि कब लगेंगी। आखिरकार 31 अगस्त को कक्षाएं शुरू हो गईं। इसके बाद अक्तूबर में सेंटर को विवि बनाने की घोषणा हो गई और हम पहले बैच के विद्यार्थी बन गए। विवि के पास हॉस्टल की सुविधा नहीं थी। प्रशासन ने जाट संस्था से बात कर जाट बीएड कॉलेज के भवन को हॉस्टल बनाया था।

गुजवि को बचाने के लिए मिलना पड़ा था चौधरी बंसीलाल से : प्रो. कर्मपाल के अनुसार, चौधरी भजनलाल के बाद चौधरी बंसीलाल की सरकार आई तो विवि को बंद करने की बात कही गई। लोगों ने इसका जमकर विरोध किया। यहां के शिक्षकों और अन्य बुद्धिजीवी लोगों ने चौधरी बंसीलाल से मुलाकात कर विवि को बनाए रखने की प्रार्थना की। गृह मंत्री मनीराम गोदारा की भी विवि को बनाए रखने में अहम भूमिका रही थी। ब्यूरो

रजत जयंती : गुजवि पहला विवि, जिसने स्थापना के 7 वर्षों में ही पा ली थी ए ग्रेड

जर्मनी की फ्रैंकफर्ट यूनिवर्सिटी की तर्ज पर हुई थी गुजवि की स्थापना

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। 20 अक्तूबर 1995 में जब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दिल्ली बाईपास पर स्थित क्षेत्रीय केंद्र को गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (गुजवि) बना दिया गया। इससे जिले के लोगों में खुशी का ठिकाना नहीं था।

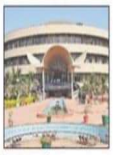

एक नवंबर 1995 को विवि के विस्तार के लिए निर्माण शुरू हुआ। प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल ने स्वयं विवि में हवन यज्ञ करवाया था। इस विवि ने जिस रफ्तार से तरक्की की, वह रफ्तार प्रदेश का कोई दूसरा विवि नहीं पकड़ पाया। स्थापना के 7 वर्षों में ही सबसे कम समय में ए ग्रेड पाने वाला गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय देश का पहला विवि था। यही नहीं, समय के साथ विवि के शैक्षणिक व शोध कार्यों ने विवि को लगातार तीन बार ए ग्रेड हासिल करने वाला उत्तर भारत का पहला विवि बना दिया। इस विवि का इतिहास छोटा जरूर है, लेकिन है बेहद रोचकता भरा।

प्रो. छत्रपाल ने किया फ्रैंकफर्ट विवि का दौरा : विवि के एचएसबी के निदेशक डॉ. कर्मपाल नरवाल बताते हैं कि वे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर में ही नौकरी कर रहे थे, जब इसे विवि बनाया गया तो वे इसी विवि का हिस्सा बन गए। विवि की स्थापना तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल ने की। इस बीच तत्कालीन तकनीकी शिक्षा मंत्री प्रो. छत्रपाल ने जर्मनी का दौरा किया। उन्होंने वहां फ्रैंकफर्ट यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लाइड साइंस जैसे विश्वविद्यालयों को जाना और यहां आकर उसी की तर्ज पर गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय को विज्ञान एवं विज्ञान एवं तकनीकी विवि बनाए जाने की सिफारिश की थी। इससे पहले भारत में विषय विशेष के विवि का कोई कॉन्सेप्ट नहीं था।

यूजीसी चेयरमैन ने कहा था- रोल मॉडल बनेगा गुजवि : प्रो. कर्मपाल के अनुसार, विवि को एक वर्ष के रिकॉर्ड समय में दो मान्यताएं मिली थीं। अंडर सेक्सन टू एफ और 12 बी। ये मान्यताएं डिग्री और केंद्रीय एजेंसियों से वित्तिय सहायता प्राप्त करने संबद्ध थीं, जब विवि डेढ़ वर्ष का था, तब यूजीसी की चेयरमैन नमृता देसाई यहां आई थीं, तब उन्होंने विवि के कर्मचारियों व शिक्षकों की कर्मठता को देखते हुए कहा था कि यह विवि आने वाले समय में अन्य विश्वविद्यालयों के लिए रोल मॉडल का काम करेगा।इस दौरान अन्य विवि के लोगों ने मजाक उड़ाया था, लेकिन बाद में विवि की तरक्की ने सबके मुंह बंद कर दिए।

MONTHLY CODING TEST AT GJUST

Hisar: GJUST coders students club organised its second monthly coding test on Hakerrank under the training and placement cell. Pratap Singh Malik, director, placements, said this time, two tests were organised, first test for the second year students and second test for the third and fourth year students. Total 27 students participated in first coding test, which was of 60 minutes and out of these, three students were selected. Harsh Saharan from BTech, IT, secured first rank, Mahesh Saini from BTech, CSE, secured second rank and Pankaj kumar from BTech, CSE, secured third rank. In the second test, a total of 61 students participated and three students - Prince Kalra from third year, BTech, CSE, secured first rank, Vinayak from third year, BTech, CSE, was ranked second and Sachin from fourth year BTech, CSE, secured third rank.

विद्यार्थी देश का भविष्य होते हैं : सत्यदेव नारायण आर्य

जीजेयू में अटल ट्रेनिंग एंड लर्निंग सैंटर स्थापित करने की घोषणा

हिसार, 19 अक्टूबर (देवेन्द्र उप्पल): हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने कहा है कि विद्यार्थी देश का भविष्य होते हैं। देश विद्यार्थियों से है और विद्यार्थी देश से हैं। विद्यार्थियों को राष्ट्र, समाज, गुरु व माता-पिता के प्रति समर्पित रहना चाहिए। राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य जी सोमवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार की 25वीं वर्षगांठ पर हुए रजत जयंती समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को मुख्यातिथि के रूप में ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुए इस ऑफलाइन व ऑनलाइन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टेकेश्वर कुमार ने की। मंच पर कुलसचिव डा. अवनीश वर्मा व शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक क्षेत्रीय केन्द्र, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, चण्डीगढ़, प्रो. आर.के. सोनी, प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी सहस्रबुद्धे तथा प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की 25 वर्षों की यात्रा से सम्बंधित एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल माननीय श्री सत्यदेव नारायण आर्य जी ने विश्वविद्यालय की 25 साल की यात्रा को शानदार बताया तथा कहा कि 25 साल के अल्पकाल में इस विश्वविद्यालय ने विशेषकर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में जो छाप छोड़ी है वह अतुलनीय है। देश के 100 विश्वविद्यालयों तथा दुनिया के 1000 विश्वविद्यालयों में स्थान पाना विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण उपलब्धि का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने इस अवसर पर 15वीं शताब्दी के महान संत गुरु जम्भेश्वर जी महाराज को याद किया तथा कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी महाराज के नाम से स्थापित यह विश्वविद्यालय लगातार विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने इस अवसर पर हरियाणा में तेजी से हो रहे शैक्षणिक विकास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की स्थापना के समय जहां यहां केवल एक विश्वविद्यालय था, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 43 हो चुकी है। उन्होंने अपने सम्बोधन में संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर को भी याद किया तथा उनके सिद्धांत 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' को श्रेष्ठ सिद्धांत बताया। प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे ने कहा कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को मिलकर और अधिक कार्य करना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की योजना के तहत अटल ट्रेनिंग एंड लर्निंग सैंटर स्थापित करने की घोषणा की तथा कहा कि यह केन्द्र शिक्षकों के लिए बहुत उपयोगी होगा।

Silver jubilee Celebrations

गुरू जम्भेश्वर विवि में 'उद्भावना टॉक शो' कार्यक्रम का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से 'उद्भावना टॉक शो' कार्यक्रम शुरु किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की विषय विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन वार्ता होती है। इस कार्यक्रम के पहले चरण में प्रसिद्ध जोश टॉक स्पीकर, लाइफ स्किल कोच तथा सोशल एंटरप्रेन्योर, तथा 'द वैल्यू ट्रांसफॉर्मर्स' संस्थान, चंडीगढ़ की सीईओ मंजुला सुलारिया ने विद्यार्थी समन्वय समिति के दो विद्यार्थियों शुभा शर्मा व नित्या चुघ के साथ 'अंडरस्टैंडिंग एंड काउंटरिंग वन्स फियर' विषय पर चर्चा की।

हिसार। मुख्य वक्ता मंजुला सुलारिया के साथ बातचीत करते विद्यार्थी।

वर्तमान महामारी के कारण भविष्य में अनिश्चितता के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मंजुला सुलारिया ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि शिकायत करने के बजाय विद्यार्थियों को इस समय में सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करना चाहिए। हमें यह पता लगाना चाहिए कि हम किस चीज के बारे में भावुक हैं। अपने अन्दर नया कौशल व नया जुनून विकसित करने का प्रयास करें। विद्यार्थियों को इस समस्या से निपटने के लिए विकासशील व्यक्तित्व और नए-नए तरीकों का पता लगाने पर समय लगाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस समय को एक सीखने की अवस्था के रूप में लें, जिसके कारण वे महामारी के बाद अधिक आत्मविश्वास और अभिनव व्यक्ति के रूप में सामने आएंगे।

प्लेसमैंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को जीवन कौशल से लेकर केरिअर कौशल आदि विभिन्न मुद्दों पर विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने के लिए मंच प्रदान करने के लिए शुरू किया गया है। सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय व सम्बद्ध महाविद्यालयों के 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अध्याय-3 • 2016 में डिपार्टमेंट ऑफ एल्युमनाइ रिलेशन को यूनिवर्सिटी ने शामिल किया, डिपार्टमेंट वाइज की एल्युमनाइ मीट

जीजेयू के 25 बरस का सफरनामाः विवि के एल्युमनाई प्लेसमेंट और स्टूडेंट एक्सपोजर में बन रहे मददगार, मिल रही फैलोशिप

भास्कर न्यूज | हिसार

किसी भी शैक्षणिक संस्थान का सफर वहां के स्टूडेंट्स की सफलता की कहानी बयां करता है। गुरु जम्भेश्वर साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के 25 सालों के इस सफर की कहानी में भी यहां से पढ़कर निकले स्टूडेंट्स का जिक्र इस कहानी को और खास बनाता है। यूनिवर्सिटी के हजारों एल्युमनाई सरकारी और गैर सरकारी बड़े-बड़े पदों तक पहुंचे हैं। इनकी इस सफलता का परचम विश्वविद्यालय के सितारों को बुलंदियां तक पहुंचाने का काम कर रही है। इसी वजह से भास्कर की ओर से जीजेयू के 25 बरस के सफरनामे के सीरिज के तीसरे अध्याय में एल्युमनाई को शामिल किया गया है। 2016 में डिपार्टमेंट ऑफ एल्युमनाई रिलेशन को यूनिवर्सिटी शामिल किया गया था। इसके बाद अब तक 4 एल्युमनाई मीट ऑर्गेनाइज की जा चुकी है। वहीं डिपार्टमेंट वाइज एल्युमनाई मीट भी ऑर्गेनाइज होती है। यूनिवर्सिटी के एल्युमनाई के एफर्ट से जितना भी फंड एकत्रित हो पाता है उससे गरीब बच्चों को फैलोशिप प्रदान की जाती है।

इन एल्युमनाई ने चमकाया नाम

एडिशनल डायरेक्टर जनरल आईएमडी (2007 में नोबल पीस अवार्डी) डॉ. एस डी अत्री, साई टेक एन्वायरमेंट इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड राजकुमार आर्य, को फाउंडर एंड एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर एन्वायरमेंटल हेल्थ एंड सेफ्टी गुरु सस्टेनेबल सॉल्यूशन लिमिटेड मुनीश कुमार, फिल्मी दुनिया के जाने माने सेट डिजाइनर आदित्य रनोलिया, आईआईटी प्रो. डॉ. सुरेश जैन, एआईसीटीई डायरेक्टर आनंद कुमार ये सभी वो नाम हैं जो यूनिवर्सिटी वेलफेयर के लिए फंडिंग देने में तो आगे रहते ही हैं साथ ही स्टूडेंट्स की प्लेसमेंट्स में भी मदद देते हैं। वहीं राजनीति में भी यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स पहुंचे और अपनी छाप छोड़ी यूनिवर्सिटी के डिस्टेंस एजुकेशन डिपार्टमेंट से दुष्यंत चौटाला, डॉ. के.के खंडेवाल, डॉ. पंकज मित्तल, डॉ. सुमेधा कटारिया और डॉ. ए.एस चावला शामिल हैं।

5 सालों में एक हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स को मिली प्लेसमेंट

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डिपार्टमेंट के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि पिछले पांच सालों में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल ने भी स्टूडेंट्स की प्लेसमेंट में बड़ी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच सालों में यूनिवर्सिटी के एक हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स को बड़ी कम्पनीज में प्लेसमेंट का मौका मिला है। इनमें इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस जैसी बड़ी कम्पनियों में तो स्टूडेंट्स का चयन हुआ है। इसके साथ ही ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल सबसे ज्यादा रोजगार परखता और रोजगार उपलब्धता पर ध्यान दे रहा है।

एल्युमनाई एम्बेसडर की भूमिका निभाते हैंः प्रो. टंकेश्वर

"एल्युमनाई किसी भी शैक्षणिक संस्थान के लिए एम्बेसडर की तरह भूमिका निभाते हैं, इनसे होकर ही संस्थान की अच्छाइयां बाहरी लोगों तक पहुंच पाती है। यदि किसी एल्युमनाई का नाम होता है तो खुद ब खुद यूनिवर्सिटी का नाम भी रोशन हो पाता है। हमारे विश्वविद्यालय के भी बहुत से ऐसे एल्युमनाई हैं जिनकी वजह से यूनिवर्सिटी को अलग पहचान मिल पाई है।" - **प्रो. टंकेश्वर कुमार**, कुलपति, जीजेयू

We are Celebrating Silver jubilee On 19 October

कुछ वर्षों में गुजवि दुनिया के बेहतरीन विश्वविद्यालयों में से एक होगा : सहस्त्रबुद्धे

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (गुजवि) की 25वीं वर्षगांठ पर हुए कार्यक्रम में राज्यपाल प्रो. एसएन आर्य ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में भाग लिया। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। रजत जयंती समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के रणबीर सिंह सभागार में किया गया, जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि गुजवि अगले कुछ वर्षों में दुनिया के बेहतरीन विश्वविद्यालयों में से एक होगा। इस विवि की 25 सालों की विकास यात्रा हैरान करने वाली है। इतने कम समय में इतनी अधिक उपलब्धि शायद ही कोई विवि प्राप्त कर सके। प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि हरियाणा ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाते हुए आधुनिकता को प्राप्त किया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की 25 वर्षों की यात्रा से संबंधित एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

विभिन्न विभागों का दौरा किया : प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे व प्रो. राजीव कुमार ने विवि के गुरु जंभेश्वर महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान, फिजिक्स विभाग, सीआईएल लैब, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इन्फोरमेशन सेंटर, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस, बायो एंड नैनो तकनीक विभाग और रणबीर सिंह सभागार का दौरा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की हार्वर्ड स्कूल ऑफ बिजनेस के साथ तुलना की। इस अवसर पर प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे व प्रो. राजीव कुमार ने विश्वविद्यालय में 12 सुपर सी-टाइप व 18 सी-टाइप मकानों का शिलान्यास भी किया।

ये रहे उपस्थित : समारोह में कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा, एआईसीटीई चंडीगढ़ से प्रो. आरके सोनी, प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे की धर्मपत्नी माधुरी सहस्त्रबुद्धे और प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। मंच संचालन शिक्षिका पल्लवी ने किया। ब्यूरो

विवि के 25 वर्षों की यात्रा पर लिखी किताब का किया विमोचन

प्रो. टंकेश्वर ने की चार सूत्रीय कार्यक्रम की घोषणा : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हमने इस विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होने का सपना देखा था। यह सपना अब साकार होने लगा है। उन्होंने चार सूत्रीय कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें उन्होंने लर्निंग आउटकम, रिसर्च आउटपुट, इनोवेशन तथा सोशल स्टैंडी को शामिल किया। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन काल में भी विश्वविद्यालय के चार पेटेंट हुए हैं।

एआईसीटीई गुजवि में खोलेगी अटल ट्रेनिंग सेंटर, देशभर के शिक्षक ले सकेंगे प्रशिक्षण

हिसार। देशभर के विज्ञान एवं तकनीक से संबंधित शिक्षक गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण ले सकेंगे। इसके लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) विश्वविद्यालय में अटल ट्रेनिंग एंड लर्निंग सेंटर स्थापित करेगी।

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के 25 वर्ष पूरे होने पर सोमवार को रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत कर रहे एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे ने यह घोषणा की। यह सेंटर संभवतः प्रदेश का दूसरा ट्रेनिंग सेंटर होगा। अटल ट्रेनिंग सेंटर में शिक्षकों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि एआईसीटीई विवि में अपना भवन भी बनाएगी और यहां से प्रशिक्षणों का संचालन होगा। लगातार बदलती तकनीक और उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षकों का भी नई तकनीकों और प्रौद्योगिकीयों का ज्ञान होना जरूरी है, ताकि वे विद्यार्थियों को भी उसी के अनुसार तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि आज डिग्री की बजाए कौशल की अधिक आवश्यकता है। हमारे विद्यार्थी कौशल युक्त हों, इसी को मद्देनजर शिक्षकों को उन्नत तकनीकों को प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण में अलग-अलग 100 से अधिक तकनीकी विषयों को शामिल किया जाता है।

Congratulations

GJUST PROFESSOR HONOURED

Hisar: Prof R Baskar from Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, has been elected unanimously as a member of the governing council of the society for the promotion of science and technology in India (SPSTI) in the 10th annual general meeting of the SPSTI. This membership is for five years. The SPSTI is a not-for-profit NGO engaged in popularisation and promotion of science and developing scientific temper in the society, children and youth in particular. Established by thirty-seven leading scientists, academicians and administrators in 2009, the society has completed 11 years of excellence.

जीजेयू के प्रोफेसर आर बास्कर को मिला सम्मान

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर बास्कर को सोसाइटी फॉर प्रोमोशन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है।

यह सदस्यता पांच साल के लिए है। यह सोसाइटी एक गैर लाभकारी गैर सरकारी संगठन है, जो समाज में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और बच्चों और युवाओं में विशेष रूप से विज्ञानिक स्वभाव विकसित करने में लगी है। 2009 में 37 प्रसिद्ध प्रमुख विज्ञानियों, शिक्षाविदों और प्रशासकों द्वारा स्थापित की गई इस सोसाइटी ने उत्कृष्टता के 11 साल पूरे कर लिए हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव व मुख्य चुनाव आयुक्त धर्मवीर, आइएएस सेवानिवृत्त इस सोसाइटी के अध्यक्ष हैं। सोसाइटी की गवर्निंग काउंसिल में अब 13 सदस्य हैं। पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अरुण के. ग्रोवर सोसाइटी के उपप्रधान, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के प्रो. केया धर्मवीर महासचिव, प्रो. रणजी भल्ला, आइआइएसईआर मोहाली के पूर्व निदेशक प्रो. एन सथ्यामूर्थी सलाहकार, केन्द्रीय विश्वविद्यालय पंजाब, बठिंडा के पूर्व कुलपति प्रो. आरके कोहली सोसायटी के सदस्य हैं।

एरोजोना स्टेट यूनिवर्सिटी व गुजवि देंगे एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की संयुक्त डिग्री

हिसार। शहर में स्थापित होने वाले एयरपोर्ट से यातायात की उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ-साथ रोजगार की अपार संभावनाएं पैदा होंगी। गुजवि हिसार एयरोस्पेस इंजीनियरिंग और इससे संबंधित कोर्स शुरू करने की उच्च स्तरीय योजना बना रहा है।

गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय एरोजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के संयुक्त तत्वाधान में एक इंटरनेशनल ड्यूअल डिग्री बीटेक प्रोग्राम (एयरोस्पेस इंजीनियरिंग) शुरू करने की योजना बना रहा है। इस प्रोग्राम में एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग और एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का स्पेशलाइजेशन होगा। इस प्रोग्राम के तहत गुजवि हिसार में अंडरग्रेजुएट एयरोस्पेस इंजीनियरिंग प्रोग्राम में दाखिल विद्यार्थी सफलतापूर्वक दो साल पूरे करने के बाद एरीजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए में संबंधित क्षेत्रों में दाखिले के लिए आवेदन करेगा और अगले दो साल में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार तथा एरोजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए विद्यार्थी को संयुक्त रूप से स्नातक की उपाधि प्रदान करेंगे। ब्यूरो

विवि को 601-800 के बीच का रैंक बैंड मिला

फिजिकल साइंसिज श्रेणी में गुजवि को मिली पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

■ विश्वभर से 1149 विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था। भारत के केवल 48 विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों को इस सब्जेक्ट रैंकिंग श्रेणी में स्थान मिला है

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय को एक बार फिर विश्वस्तर पर पहचान मिली है। विवि को द टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2021 में फिजिकल साइंसिज विषय श्रेणी में 601-800 के बीच का रैंक बैंड मिला है। द टाइम्स हायर एजुकेशन लंदन द्वारा जारी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने इस श्रेणी में 23.1 से 31.6 स्कोर अर्जित किया है। विवि को हाल ही में विश्वस्तर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक मंच टाइम्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में ही ओवरऑल केटेगरी में 25.1 से 30.1 स्कोर के साथ 801 से 1000 रैंक बैंड मिला था। इस सब्जेक्ट श्रेणी में विश्वभर से 1149 विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था। भारत के केवल 48 विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों को इस सब्जेक्ट रैंकिंग श्रेणी में स्थान मिला है। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार का भारत में 16 अन्य विश्वविद्यालयों के साथ नौवां स्थान है। साइटेशन सब केटेगरी में विश्वविद्यालय को 52.9 स्कोर के साथ राष्ट्रीयस्तर पर दसवां स्थान मिला है। टीचिंग सब केटेगरी में विश्वविद्यालय को 21.9 स्कोर के साथ राष्ट्रस्तर पर 23वां स्थान मिला है। जबकि रिसर्च सब केटेगरी में विश्वविद्यालय ने 5.9 स्कोर हासिल किया है। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा ने इस महान उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों को बधाई दी है। भारत से इस अंतरराष्ट्रीयस्तर की सब्जेक्ट रैंकिंग में जिन 48 संस्थानों को इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान मिला है, उनमें से गुजवि इकलौता विश्वविद्यालय है। विवि ने यह विश्वस्तरीय रैंकिंग हासिल कर हरियाणा प्रदेश के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय की 25वीं वर्षगांठ को समर्पित किया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह रैंकिंग शिक्षण, शोध, साइटेशन, औद्योगिक इन्कम तथा अंतरराष्ट्रीय आऊटलुक के पांच मापदंडों पर आधारित थी। विश्वविद्यालय को हाल ही में एआरआईआईए-2020 रैंकिंग में भी छह से 25 के बीच ए रैंक बैंड मिला है। सरकारी विश्वविद्यालयों की यह रैंकिंग अगस्त 2020 में जारी की गई थी। कुलसचिव अवनीश वर्मा ने बताया कि विवि का स्कोपस इंडेक्स 87 हो चुका है, जो इस क्षेत्र में सर्वाधिक है। विश्वविद्यालय के स्कोपस पब्लिकेशन 2750 से ज्यादा हो चुके हैं।

Congratulations
GJUS&T Family

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय को 'फिजिकल साइंसिज विषय' श्रेणी में 601–800 के बीच का रैंक बैंड मिला

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को एक बार फिर विश्व स्तर पर पहचान मिली है। विश्वविद्यालय को 'द टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2021' में 'फिजिकल साइंसिज विषय' श्रेणी में 601-800 के बीच का रैंक बैंड मिला है।

द टाइम्स हायर एजुकेशन लंदन द्वारा जारी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने इस श्रेणी में 23.1 से 31.6 स्कोर अर्जित किया है। विश्वविद्यालय को हाल ही में विश्व स्तर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक मंच टाइम्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में ही ओवरऑल कैटेगरी में 25.1 से 30.1 स्कोर के साथ 801 से 1000 रैंक बैंड मिला था।

इस सब्जेक्ट श्रेणी में विश्वभर से 1149 विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था। भारत के केवल 48 विश्वविद्यालयों व संस्थानों को इस सब्जेक्ट रैंकिंग श्रेणी में स्थान मिला है। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का

उपलब्धि

- द टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ने जारी की सब्जेक्ट रैंकिंग
- इस श्रेणी में दुनियाभर के 1149 विश्वविद्यालयों ने किया था आवेदन

भारत में 16 अन्य विश्वविद्यालयों के साथ नौवां स्थान है। साइटेशन सब कैटेगरी में विश्वविद्यालय को 52.9 स्कोर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर 10वां स्थान मिला है। टीचिंग सब कैटेगरी में विश्वविद्यालय को 21.9 स्कोर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर 23वां स्थान मिला है, जबकि रिसर्च सब केटेगरी में विश्वविद्यालय ने 5.9 स्कोर हासिल किया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अवनीश वर्मा ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों को बधाई दी है। भारत से इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की सब्जेक्ट रैंकिंग में जिन 48 संस्थानों को इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान मिला है, उनमें से जीजेयू अकेला विश्वविद्यालय है। यह रैंकिंग विश्वविद्यालय के फिजिकल साईंसिज संकाय के लिए प्रेरणादायक साबित होगी। प्रो.टंकेश्वर ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय की 25वीं वर्षगांठ को समर्पित किया है। उन्होंने बताया कि यह रैंकिंग शिक्षण, शोध, साइटेशन, औद्योगिक इन्कम तथा अंतरराष्ट्रीय आउटलुक के पांच मापदंडों पर आधारित थी। विश्वविद्यालय को हाल ही में एआरआइआइए-2020 रैंकिंग में भी छह से 25 के बीच 'ए' रैंक बैंड मिला है। सरकारी विश्वविद्यालयों की यह रैंकिंग अगस्त 2020 में जारी की गई थी।

कुलसचिव अवनीश वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय का स्कोप्स इंडेक्स 87 हो चुका है, जो इस क्षेत्र में सर्वाधिक है। विश्वविद्यालय के स्कोप्स पब्लिकेशन 2750 से ज्यादा हो चुके हैं तथा साइटेशन 46000 से अधिक हो चुके हैं।

विवि को 601-800 के बीच का रैंक बैंड मिला

फिजिकल साइंसिज श्रेणी में गुजवि को मिली पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- विश्वभर से 1149 विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था। भारत के केवल 48 विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों को इस सब्जेक्ट रैंकिंग श्रेणी में स्थान मिला है

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय को एक बार फिर विश्वस्तर पर पहचान मिली है। विवि को द टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2021 में फिजिकल साईंसिज विषय श्रेणी में 601-800 के बीच का रैंक बैंड मिला है। द टाइम्स हायर एजुकेशन लंदन द्वारा जारी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने इस श्रेणी में 23.1 से 31.6 स्कोर अर्जित किया है। विवि को हाल ही में विश्वस्तर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक मंच टाइम्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में ही ओवरऑल केटेगरी में 25.1 से 30.1 स्कोर के साथ 801 से 1000 रैंक बैंड मिला था। इस सब्जेक्ट श्रेणी में विश्वभर से 1149 विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था। भारत के केवल 48 विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों को इस सब्जेक्ट रैंकिंग श्रेणी में स्थान मिला है। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार का भारत में 16 अन्य विश्वविद्यालयों के साथ नौवां स्थान है। साइटेशन सब केटेगरी में विश्वविद्यालय को 52.9 स्कोर के साथ राष्ट्रीयस्तर पर दसवां स्थान मिला है। टीचिंग सब केटेगरी में विश्वविद्यालय को 21.9 स्कोर के साथ राष्ट्रस्तर पर 23वां स्थान मिला है। जबकि रिसर्च सब केटेगरी में विश्वविद्यालय ने 5.9 स्कोर हासिल किया है। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा ने इस महान उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों को बधाई दी है। भारत से इस अंतरराष्ट्रीयस्तर की सब्जेक्ट रैंकिंग में जिन 48 संस्थानों को इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान मिला है, उनमें से गुजवि इकलौता विश्वविद्यालय है। विवि ने यह विश्वस्तरीय रैंकिंग हासिल कर हरियाणा प्रदेश के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय की 25वीं वर्षगांठ को समर्पित किया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह रैंकिंग शिक्षण, शोध, साइटेशन, औद्योगिक इन्कम तथा अंतरराष्ट्रीय आऊटलुक के पांच मापदंडों पर आधारित थी। विश्वविद्यालय को हाल ही में एआरआईआईए-2020 रैंकिंग में भी छह से 25 के बीच ए रैंक बैंड मिला है। सरकारी विश्वविद्यालयों की यह रैंकिंग अगस्त 2020 में जारी की गई थी। कुलसचिव अवनीश वर्मा ने बताया कि विवि का स्कोपस इंडेक्स 87 हो चुका है, जो इस क्षेत्र में सर्वाधिक है। विश्वविद्यालय के स्कोपस पब्लिकेशन 2750 से ज्यादा हो चुके हैं।

सर्वे स्टडी • जीजेयू के फिजियोथेरेपी डिपार्टमेंट के डॉ. मनोज मलिक, प्रो. एसके सिंह और पीयू से प्रो. नरकेश अरूमुगम ने की रिसर्च

66 माइग्रेन पेशेंट्स पर 3 साल रिसर्च : ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करेंट स्टिमुलेशल और बिहेवियरल थैरेपी से माइग्रेन का दर्द बिना दवा के कंट्रोल

अंशुल पांडेय | हिसार

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों की जीवनशैली में कई बदलाव आए हैं। इसकी वजह से बीमारियां कब घेर ले लेती हैं इसका पता ही नहीं चल पाता। कुछ ऐसी ही बीमारी में एक नाम माइग्रेन का भी है।

इंडियन मेडिकल काउंसिल के ताजा आंकड़ों के अनुसार आबादी में करीब 15 से 20 प्रतिशत लोग माइग्रेन का शिकार मिल रहे हैं। ऐसे में जीजेयू के डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोथेरेपी से डॉ. मनोज मलिक, प्रो. एस.के सिंह और पंजाबी यूनिवर्सिटी से प्रो. नरकेश अरूमुगम ने एक रिसर्च के जरिये माइग्रेन के दर्द को कंट्रोल करने का इलाज ढूंढ़ा है। रिसर्च के लिए 66 माइग्रेन पेशेंट्स को चुना। इन पर तीन साल तक पेन रिलीफ की अलग-अलग थैरेपी दी गई। जिसमें पाया कि माइग्रेन के दर्द को कंट्रोल करने में सबसे ज्यादा कारगर ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करेंट स्टिमुलेशल और बिहेवियरल थैरेपी रही। इसके साथ बिहेवियरल थैरेपी के जरिए लोगों के स्लिपिंग पैटर्न को बदला और निगेटिव अप्रोच को पॉजिटिव थॉट्स में कन्वर्ट किए। इसके बाद माइग्रेन का दर्द बिना दवाओं के बिल्कुल निचले स्तर तक पहुंच गया।

• 66 पेशेंट्स को तीन ग्रुप बांटकर दी अलग-अलग पेन रिलीफ थैरेपी: इन 66 पेशेंट्स को तीन ग्रुपों में बांटा गया। हर ग्रुप में 22 लोग। हर ग्रुप को पूरे तीन साल तक पेन रिलीफ की अलग-अलग थैरेपी दी। इसके बाद इन सभी पेशेंट्स से क्वेश्चनर भराया गया, जिससे पेशेंट्स में होने वाले दर्द की अवधि और तीव्रता का अंदाजा लगाया। जहां 22 लोगों पर ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करेंट स्टिमुलेशल थैरेपी तो अगले 22 पर बिहेवियरल थैरेपी को अजमाया।

शेष 22 पेशेंट्स की साइकोलॉजी को चैक करने के लिए उनकी खोपड़ी पर इलेक्ट्रिक बेल्ट लगाकर 22 सेकंड के बाद ही उसे बंद कर दिया जाता रहा पर बेल्ट को खोपड़ी पर पूरे 20 मिनट तक लगाकर रखा जाता। ये सभी थैरेपी पेशेंट्स को एक हफ्ते में 3 बार दी गई।

जानिए... क्या है ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करेंट स्टिमुलेशल थैरेपी

ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करेंट स्टिमुलेशल थैरेपी में 2 मिली एम्पेयर करंट खोपड़ी पर एक बेल्ट बांध कर दिया जाता है। यह बेहद मामूली करंट होता है। इससे न्यूरो ट्रांसमीटर संतुलित हो जाते हैं। इस करंट को हफ्ते में तीन दिन एक दिन छोड़ कर एक दिन दिया जाता है। इस करंट का किसी तरह का साइड इफेक्ट बॉडी पर नहीं पड़ता है।

बिहेवियरल थैरेपी, चिंतन शैलियों पर काम

बिहेवियरल थैरेपी में सोने के पैटर्न को ठीक किया। वहीं चिंतन शैलियों के जरिये जीवन से संबंधित हर घटना को पॉजिटिव अप्रोच से देखने का नजरिया समझाया, जिससे स्ट्रेस कम हो। माइग्रेन के शुरुआती लक्षणों को समझ कर यदि लाइफस्टाइल में रेगुलर एक्सरसाइज को शामिल किया जाए तो भी माइग्रेन के तेज दर्द में आराम मिल सकता है। वहीं माइग्रेन में गर्दन और बैठने के सही पॉश्चर के साथ रेगुलर एक्सरसाइज भी मददगार साबित हो सकते हैं।

सामान्य सिरदर्द और माइग्रेन में अंतर

सामान्य सिरदर्द सिर के चारों ओर एक सामान तीव्रता के साथ होता है। जोकि कुछ समय बाद खुद ब खुद ठीक हो जाता है। मगर अगर सिर के केवल एक तरफ ज्यादा तेज दर्द हो तो यह माइग्रेन के लक्षण हैं। ये सिरदर्द तीव्र या गंभीर होते हैं और अक्सर सिर में दर्द के अलावा जी मिचलाना, एक आंख या कान के पीछे दर्द, प्रकाश या ध्वनि के प्रति संवेदनशीलता, अस्थायी दृष्टि हानि व उल्टी आदि शामिल हैं। यह दर्द कुछ घंटों से लेकर कई दिनों तक रह सकता है।

Good Research
GJUS&T Hisar

गुजवि को वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2021 में 601 से 800 के बीच रैंक बैंड मिला

द टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2021 के लिए 1149 विश्वविद्यालयों ने किया था आवेदन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) को 'द टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2021' में 'फिजिकल साइंसिज विषय' श्रेणी में 601-800 के बीच का रैंक बैंड मिला है।

द टाइम्स हायर एजुकेशन लंदन द्वारा जारी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने इस श्रेणी में 23.1 से 31.6 स्कोर अर्जित किया है। विश्वविद्यालय को हाल ही में विश्व स्तर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक मंच टाइम्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में ही ओवरऑल कैटेगरी में 25.1 से 30.1 स्कोर के साथ 801 से 1000 रैंक बैंड मिला था। इस सब्जेक्ट श्रेणी में विश्वभर से 1149 विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था। भारत के केवल 48 विश्वविद्यालयों व संस्थानों को इस सब्जेक्ट रैंकिंग श्रेणी में स्थान मिला है। गुजवि का भारत में 16 अन्य विश्वविद्यालयों के साथ नौवां स्थान है। साइटेशन सब कैटेगरी में विश्वविद्यालय को 52.9 स्कोर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर 10वां स्थान मिला है। टीचिंग सब कैटेगरी में विश्वविद्यालय को 21.9 स्कोर के साथ राष्ट्र स्तर पर 23वां स्थान मिला है, जबकि रिसर्च सब कैटेगरी में विश्वविद्यालय ने 5.9 स्कोर हासिल किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों को बधाई दी है। भारत से इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की सब्जेक्ट रैंकिंग में जिन 48 संस्थानों को इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान मिला है, उनमें से गुजवि अकेला विश्वविद्यालय है।

उपलब्धि 25वीं वर्षगांठ को समर्पित : कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय की 25वीं वर्षगांठ को समर्पित किया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह रैंकिंग शिक्षण, शोध, साइटेशन, औद्योगिक इनकम तथा अंतरराष्ट्रीय आउटलुक के पांच मापदंडों पर आधारित थी। विश्वविद्यालय को हाल ही में एआरआईआईए-2020 रैंकिंग में भी छह से 25 के बीच 'ए' रैंक बैंड मिला है। सरकारी विश्वविद्यालयों की यह रैंकिंग अगस्त 2020 में जारी की गई थी। कुलसचिव अवनीश वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय का स्कोपस इंडेक्स 87 हो चुका है, जो इस क्षेत्र में सर्वाधिक है। विश्वविद्यालय के स्कोपस पब्लिकेशन 2750 से ज्यादा हो चुके हैं तथा साइटेशन 46 हजार से अधिक हो चुके हैं।

Congratulations
GJUS&T Family

गुजवि में शुरु हुआ स्पीकाथॉन क्लब

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के नेतृत्व में विद्यार्थियों का 'स्पीकाथॉन क्लब' बनाया गया है। क्लब के उद्घाटन के अवसर पर 'कम्युनिकेशन एक्सिलैंस' विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें निदेशक पंकज चौधरी मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। क्लब के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए मुख्य वक्ता पंकज चौधरी ने कहा कि सिखाना सीखने का सबसे उत्तम तरीका है। प्रत्येक क्लब सदस्य को अपने स्वयं के संचार कौशल में विकास साथ-साथ नेतृत्व, मेंटरिंग और धैर्य जैसे गुणों का विकास करना चाहिए। उन्होंने जीवन के प्रत्येक पहलु में संचार के महत्व पर जोर दिया और सभी विद्यार्थियों से लगातार इसका अभ्यास करने की अपील की। उन्होंने बताया कि अच्छा वक्ता होने के लिए अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है तथा हमें प्रतिक्रिया देने के लिए नहीं, बल्कि समझने के लिए सुनने का स्वभाव विकसित करना चाहिए।

हिसार। कार्यक्रम में भाग लेते हुए सदस्य।

प्लेसमैंट निदेशक प्रताप सिंह ने बताया कि यह क्लब अधिक से अधिक विद्यार्थियों में संचार कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य के साथ बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले छह महीनों में आयोजित सभी स्पीकाथॉन स्पर्धाओं में विजेता घोषित किए गए विद्यार्थी इस क्लब के सदस्य हैं। प्रत्येक क्लब सदस्य पांच अन्य विद्यार्थियों को गोद लेगा और समूह चर्चा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करके उनके संचार कौशल का विकास करेगा। इस क्लब द्वारा मासिक वर्चुअल स्पीकाथॉन प्रतियोगिताएं का भी आयोजन किया जाएगा।

नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए गुरू जम्भेश्वर विवि तैयार है: कुलपति

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि हम नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार हैं। नई शिक्षा नीति देश के विकास तथा देश के कौशल को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में अत्यंत उपयोगी होगी। प्रो. कुमार गुरुवार को विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी सैल के सौजन्य से 'नई शिक्षा नीति-2020' के क्रियान्वयन तथा भविष्य की योजनाओं' विषय पर आयोजित एक वेबिनार को बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। प्रो. कुमार ने कहा कि हर विद्यार्थी में कम से कम एक कौशल अवश्य विकसित किया जाना चाहिए ताकि वह विद्यार्थी अपने कौशल का प्रयोग करके अपने लिए रोजगार प्राप्त कर सके। अब समय की मांग है कि विद्यार्थी उद्यमी बनने की ओर आगे बढ़े। विश्वविद्यालय को मल्टी-डिसीप्लनरी होने की ओर बढ़ना होगा। अब हमें अगले 20 वर्षों के लिए विश्वविद्यालय के लिए एक्शन प्लान तैयार करना है। हमें च्वायस बेसड सिस्टम को और अधिक प्रभावशाली बनाना होगा।

कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान युग बदलाव का युग है।

नई शिक्षा नीति देश में सकारात्मक बदलाव का आधार बनेगी। उन्होंने नई शिक्षा नीति को लचीली बताया तथा कहा कि यह शिक्षा नीति विद्यार्थियों की प्रतिभा के साथ न्याय करेगी तथा विद्यार्थियों को समय और पसंद के आधार पर अपनी पसंद के विषय तथा कोर्स चुनने की आजादी देगी। इस शिक्षा के नीति के केंद्र में विद्यार्थी हैं।

इकोनोमिक्स विभाग के अध्यक्ष एवं फैकल्टी ऑफ ह्यूमेनिटी एंड सोशल साईंस के अधिष्ठाता प्रो. एन.के. बिश्नोई ने कहा कि नई शिक्षा नीति देश को विकासशील देश से विकसित देश के रूप में स्थापित करने में सहायता करेगी। नई शिक्षा नीति विश्वविद्यालयों को देश के विकास में अग्रणी भूमिका में लाएगी। उन्होंने नई शिक्षा नीति को अत्यंत बेहतर बताया।

हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. कर्मपाल नरवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को उच्च स्तरीय शोध पर फोकस करना चाहिए। साथ ही कम से कम दस प्रतिशत शोध को पेटंट में बदला जाना चाहिए। उन्होंने इस नीति को राष्ट्रीय एकता तथा वैश्विक स्तर के लिए भी उपयोगी बताया।

जीजेयू में एल्युमनाई एसो. फंड से दी फैलोशिप 10 स्टूडेंट्स को 10-10 हजार रुपये किए अलॉट

भास्कर न्यूज | हिसार

जानिए...फैलोशिप के लिए कौन से स्टूडेंट्स चुने गए

जीजेयू में एल्युमनाई एसोसिएशन फंड की ओर से डिपार्टमेंट ऑफ एल्युमनाई रिलेशन ने यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स को फैलोशिप दी। एल्युमनाई एसोसिएशन के डीन प्रो. राजेश लोहचब ने बताया कि इस बार एसोसिएशन ने 1 लाख रुपये जमा किए गए थे। इस फैलोशिप के लिए यूनिवर्सिटी के 10 ऐसे स्टूडेंट्स को चुना गया, जिनके पास योग्यता तो है मगर घर की मजबूरियों की वजह से वो अपनी स्टडी को आगे नहीं बढ़ा पा रहे। इन 10 स्टूडेंट्स में प्रति स्टूडेंट 10 हजार रुपए अलॉट किए गए। प्रो. राजेश लोहचब ने कहा कि कोविड-19 के इस दौर में लोगों को अपने जीवनयापन में ही कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में एल्युमनाई एसोसिएशन की इस पहल से जरूरतमंद स्टूडेंट्स को मदद मिल पाएगी।

एमकॉम फर्स्ट ईयर से मनीष, फाइनेंस(एचएसबी) फर्स्ट ईयर से दीपक, फाइनेंस (एचएसबी) फर्स्ट ईयर से प्रियंका, फाइनेंस(एचएसबी) फर्स्ट ईयर से कृष्ण कुमार, बीएससी डाटा साइंस मैथमेटिक्स फर्स्ट ईयर से संदीप, बीएससी डाटा साइंस मैथमेटिक्स फर्स्ट ईयर से रोहित, बीटेक मैकेनिकल सेकंड ईयर से दिवांग, बेचलर ऑफ फिजियोथेरेपी फाइनल ईयर सरोज, बीटेक सीएसई थर्ड ईयर से आदित्य कुमार, बीटेक सीएसई फोर्थ ईयर से भारत भूषण सैनी। फेलोशिप के लिए स्टूडेंट्स को कई मानकों के आधार पर चुना गया। इसमें सबसे पहले इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन स्टूडेंट्स को चुना गया, जिनकी फैमिली इनकम एक लाख से कम हो या मदर या फादर में से किसी का देहांत हो चुका हो। इसके साथ ही इसके लिए ऐसे स्टूडेंट्स का सेलेक्शन किया जाता है जिनके एकेडमिक रिकॉर्ड में री-अपीअर न हो।

GJUST prof ranked among world's 2% top scientists

Hisar: Professor Narsi Ram Bishnoi, dean of research, department of environmental science and engineering, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, Haryana has been ranked among the top 2% of world scientists listed by Stanford University, USA. The recognition for Prof Bishnoi comes for his work in the category of Environmental Sciences and Biotechnology. Prof Narsi Ram Bishnoi is actively working in the areas of bioremediation, environment pollution abatement, environmental biotechnology and bio-energy. TNN

निराश्रित बच्चों की मदद के लिए गुजवि में मनाया गया झंडा दिवस

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के एनसीसी विभाग द्वारा भारत सरकार के स्वायत निकास गृह मंत्रालय के तहत शुरु किए गए अभियान साम्प्रदायिक सद्भाव के अंतर्गत हिंसा में निराश्रित हुए गरीब अनाथ बच्चों की मदद के लिए झंडा दिवस मनाया गया। एनसीसी विभाग के समन्वयक डा. राजीव कुमार ने बताया कि इसके लिए एनसीसी विभाग की मनीषा पायल, कमल घणघस, सारजेंट प्रियंका, केडेटस संजू, डिंकी, संगीता व रश्मि की टीम दान राशि एकत्रित कर रही है। टीम के सदस्यों ने विश्वविद्यालय परिसर में इसको लेकर अभियान चलाया हुआ है। ये सदस्य विश्वविद्यालय के रिहायशी परिसर तथा कार्यालयों में जाकर सभी को जागरूक कर रहे हैं। गरीब अनाथ बच्चों को हर प्रकार की सुविधा मुहैया करवाने के लिए कर्मचारियों व विद्यार्थियों को दान राशि के लिए अपील कर रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के डा. खजान सिंह, लोकसूचना कार्यालय के संजय सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता व एनसीसी विभाग के सदस्यों ने दान राशि देकर अभियान की शुरूआत की है।

गुजवि के प्रो. नरसी राम स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय अमेरिका द्वारा जारी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। अमरीका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने दुनिया भर के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों की सूची जारी की है जिसमें गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) के डीन ऑफ रिसर्च प्रो. नरसी राम बिश्नोई उनके 1991 से लेकर 2020 तक के शोध प्रकाशन के आधार पर इस सूची में नाम शामिल करवाने में कामयाब रहे हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने 2019 तक के शोध पत्रों के प्रभाव के आधार पर वैज्ञानिकों को ग्रेड दिए हैं। विश्व रैंकिंग में से सिर्फ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों का इस सूचि में नाम है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों के डाटा का विश्लेषण करके रिसर्च क्षेत्र के मुताबिक वैज्ञानिकों के नाम

सार्वजानिक किए हैं। साथ ही विश्व रैंकिंग भी जारी की है। इस रैंकिंग में अक्तूबर 2019 तक के शोध पत्रों को शामिल किया गया है। प्रो. नरसी राम बिश्नोई को उनकी रिसर्च पब्लिकेशन के आधार पर ये सम्मान मिला है। उन्होंने 152 शोध पत्र दुनिया के प्रसिद्ध जर्नल एल्सेवेर, साइंस डायरेक्ट, एमराल्ड, टेलर एंड फ्रांसिस तथा स्प्रिंगर जैसे उच्च कोटि के प्रकाशकों से प्रकाशित हुए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. नरसी राम को अपने शोध द्वारा विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने पर बधाई दी है। प्रो. बिश्नोई ने पांच रिसर्च प्रोजैक्ट, जिनमें कई प्रसिद्ध फंडिंग एजेंसियों (यू. जी. सी.), हरियाणा साइंस तथा विज्ञान विभाग ने पैसे उपलब्ध करवाए हैं। इसके इलावा प्रो. बिश्नोई ने पर्यावरण की मुख्य समस्याओं जैसे की वायु प्रदूषण को रोकने के लिए पराली व कनक की तूड़ी से इथेनॉल बनाने की रिसर्च की है। इसके इलावा इथेनॉल को पैट्रोल में मिलकर प्रदूषण कम करने के रास्ते दिखाए हैं। उन्होंने समुंद्र, झील व तालाब में पाए जाने वाली काई से बायोडीजल बनाने से सम्बंधित रिसर्च भी की है।

अनेक अवार्डों से नवाजे जा चुके हैं प्रो. बिश्नोई

इनके चलते उन्हें राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, दिल्ली द्वारा 2015 में उच्चतम वैज्ञानिक के सम्मान से नवाजा तथा 2019 में इंडियन अकादमी ऑफ एनवायरनमेंट साइंस, हरिद्वार की ओर से प्रोफेसर एस. ए. सालगराय अवार्ड से सम्मानित किया। तीस से अधिक सालों के करियर में पर्यावरण से जुड़े उम्दा शोध कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। इनके शोध कार्य के प्रभाव के कारण इनका गूगल एच इंडैक्स 37, गूगल आई 10 इंडैक्स 73 है तथा इनकी रिसर्च को 4743 वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च में इस्तेमाल किया है।

गुजवि प्रोफेसर नरसीराम दुनियाभर के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में शुमार

हिसार/29 नवंबर/रिपोर्टर

अमरीका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने दुनिआ भर के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों की सूची जारी की है जिसमें गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विश्वविद्यालय के डीन ऑफ रिसर्च प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई उनके 1991 से लेकर 2020 तक के शोध प्रकाशन के आधार पर इस सूची में नाम शामिल करवाने में कामयाब रहे हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने 2019 तक के शोध पत्रों के प्रभाव के आधार पर वैज्ञानिकों को ग्रेड दिए हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के डाटा का विश्लेषण करके रिसर्च क्षेत्र के मुताबिक वैज्ञानिकों के नाम सार्वजानिक किये हैं। साथ ही विश्व रैंकिंग भी जारी की है। इस रैंकिंग में अक्टूबर 2019 तक के शोध पत्रों को शामिल किया गया है। गुरु जम्भेश्वर विज्ञानं एवं अभियांत्रिकी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नारिस राम बिश्नोई को उनकी रिसर्च पब्लिकेशन के आधार

पर ये सम्मान मिला है। उन्होंने 152 शोध पत्र दुनिया के प्रसिद्ध जर्नल जो की एल्सेवेर, साइंस डायरेक्ट, एमराल्ड, टेलर एंड फ्रांसिस तथा स्प्रिंगर जैसे उच्च कोटि के प्रकाशकों से प्रकाशित हुए हैं। इनके चलते उन्हें राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, दिल्ली द्वारा 2015 में उच्चतम वैज्ञानिक के सम्मान से नवाजा तथा 2019 में इंडियन अकादमी ऑफ एनवायरनमेंट साइंस, हरिद्वार की ओर से प्रोफेसर सालगराय अवार्ड से सम्मानित किया। उन्हें तीस से अधिक सालों के करियर में पर्यावरण से जुड़े उम्दा शोध कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई में पर्यावरण की मुख्या समस्याओं जैसे की वायु प्रदुषण को रोकने के लिए पराली व् कनक की तूड़ी से इथेनॉल बनाने की रिसर्च की है। इसके इलावा इथेनॉल को पेट्रोल में मिलकर प्रदुषण काम करने के रास्ते दिखाए हैं। अगर इन शोधों का सही इस्तेम्मल हो तो पर्यावरण प्रदुषण से सम्बंधित समस्याओं का आसानी से समाधान हो सकता हैं। उन्होंने समुन्द्र, झील व तालाब में पायी जाने वाली काई से बायो डीजल बनाने से सम्बंधित रिसर्च भी की हैं। इसमें उन्हें सफलता भी मिली हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने प्रोफेसर नरसी राम को अपने शोध द्वारा विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने पर बधाई दी है।

जीजेयू के प्रो. नरसी राम बिश्नोई दुनिया के सर्वश्रेष्ठ दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल

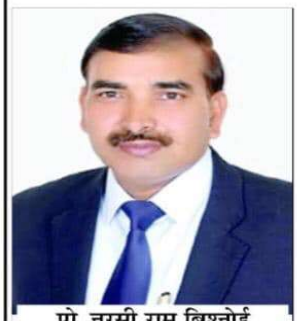

प्रो. नरसी राम बिश्नोई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 नवम्बर : अमरीका के स्टैनफोर्ड विश्विद्यालय ने दुनिया भर के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों की सूची जारी की है। इस सूचि में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विश्विद्यालय के डीन ऑफ रिसर्च प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई उनके 1991 से लेकर 2020 तक के शोध प्रकाशन के आधार पर इस सूचि में नाम शामिल करवाने में कामयाब रहे हैं। स्टैनफोर्ड विश्विद्यालय ने 2019 तक के शोध पत्रों के प्रभाव के आधार पर वैज्ञानिकों को ग्रेड दिए हैं। विश्व रैंकिंग में से सिर्फ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों का इस सूचि में नाम है। स्टैनफोर्ड विश्विद्यालय ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों के डाटा का विश्लेषण करके रिसर्च क्षेत्र के मुताबिक वैज्ञानिकों के नाम सार्वजानिक किए हैं। साथ ही विश्व रैंकिंग भी जारी की है। इस रैंकिंग में अक्टूबर 2019 तक के शोध पत्रों को शामिल किया गया है। गुरु जम्भेश्वर विज्ञानं एवं अभियांत्रिकी विश्विद्यालय के प्रोफेसर नारसी राम बिश्नोई को उनकी रिसर्च पब्लिकेशन के आधार पर यह सम्मान मिला है। उन्होंने 152 शोध पत्र दुनिया के प्रसिद्ध जर्नल जो कि एल्सेवेर, साइंस डायरेक्ट, एमराल्ड, टेलर एंड फ्रांसिस, तथा स्प्रिंगर जैसे उच्च कोटि के प्रकाशकों से प्रकाशित हुए हैं। इनके चलते उन्हें राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, दिल्ली द्वारा 2015 में उच्चतम वैज्ञानिक के सम्मान से नवाजा तथा 2019 में इंडियन अकादमी ऑफ एनवायरनमेंट साइंस, हरिद्वार की ओर से प्रोफेसर एसए सालगराय अवार्ड से सम्मानित किया। तीस से अधिक सालों के करियर में पर्यावरण से जुड़े उम्दा शोध कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। इनके शोध कार्य के प्रभाव के कारण इनका गूगल एच इंडेक्स 37, गूगल आई10 इंडेक्स 73 है तथा इनकी रिसर्च को 4743 वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च में इस्तेमाल किया है। इनका स्कोपस एच इंडेक्स 29 तथा स्कोपस citation 2923 है। प्रोफेसर बिश्नोई ने पांच रिसर्च प्रोजेक्ट, जिनमें की कई प्रसिद्ध फंडिंग एजेंसियों (यूजीसी, हरियाणा साइंस तथा विज्ञान विभाग, एआईसीटीई) ने पैसे उपलब्ध करवाए हैं। इसके इलावा प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई में पर्यावरण की मुख्य समस्याओं जैसे कि वायु प्रदूषण को रोकने के लिए पराली व कनक की तूड़ी से इथेनॉल बनाने की रिसर्च की है। इसके इलावा इथेनॉल को पेट्रोल में मिलकर प्रदूषण काम करने के रास्ते दिखाए हैं। अगर इन शोधों का सही इस्तेम्मल हो तो पर्यावरण प्रदूषण से सम्बंधित समस्याओं का आसानी से समाधान हो सकता है। उन्होंने समुन्द्र, झील व तालाब में पाई जाने वाली काई से बायो डीजल बनाने से सम्बंधित रिसर्च भी की है। इसमें उन्हें सफलता भी मिली है। उन्होंने बायो रेमेडिएशन विधि द्वारा स्वच्छ करने पर शोध किए हैं, तथा इससे फैक्ट्रियों से जुड़े अपशिष्ट पदार्थों जैसे की कैडमियम, निकल, क्रोमियम से पानी पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर भी शोध किए हैं। इनके इलावा नरसी राम ने 21 पीएचडी करवाई हैं तथा 75 एमटेक में शोधार्थियों को गाइड किया है। विश्विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने प्रोफेसर नरसी राम को अपने शोध द्वारा विश्विद्यालय का नाम रोशन करने पर बधाई दी हैं। उनकी ये उपलब्धियां आने वाले विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के लिए प्रेरणा का स्तोत्र साबित होंगी।

हिसार एयरपोर्ट को पर्यावरण क्लीयरेंस की अनुमति मिली

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने काम को जारी की स्वीकृति

जागरण संवाददाता, हिसार : केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने हिसार एयरपोर्ट को लेकर पर्यावरण क्लीयरेंस दे दी है। पर्यावरण क्लीयरेंस मिलने के बाद अब दूसरे फेज के निर्माण कार्यों को शुरू कराया जा सकेगा। इससे हिसार एयरपोर्ट से विमानों के उड़ने की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ने लगी हैं।

खास बात यह है कि देश में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोजेक्ट को महज तीन से चार माह के अंतराल में सबसे तेज और बिना किसी रुकावट के पर्यावरण क्लीयरेंस मिली है। इस प्रोजेक्ट के लिए अब यह तय हो गया कि 7200 एकड़ जमीन का प्रयोग किया जाएगा। इसके लिए तमाम प्रक्रियाएं भी पूरी कर ली गई हैं।

अभी तक बिहार चुनाव के कारण पर्यावरण क्लीयरेंस आने में समय लग रहा था। मगर शुक्रवार को पर्यावरण क्लीयरेंस मिल गई। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर रनवे के विस्तार के काम में तेजी आएगी।

72 सौ एकड़ जमीन का प्रयोग किया गया है इस प्रोजेक्ट के लिए

हिसार का हवाई अड्डा । ● जागरण आर्काइव

एयरपोर्ट पर ये होंगी सुविधाएं

एयरपोर्ट पर पेसेंजर एवं कार्गो टर्मिनल बिल्डिंग, रनवे, टैक्सी वे, एप्रोन सिस्टम, एयरफील्ड लाइटिंग सिस्टम, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर, एयरपोर्ट सपोर्ट फेसिलिटी, यूटिलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर रोड, स्टाफ एकमंडेशन, कार पार्किंग, पावर सप्लाई सिस्टम, ड्रेनेज सिस्टम, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट आदि का निर्माण कराया जाएगा।

एयरपोर्ट के दूसरे फेज के निर्माण के लिए ये संसाधन होंगे प्रयोग

● पानी का प्रयोग – 860 केएलडी ● साफ पानी– 418 केएलडी ● रीसाइकिल पानी– 442 केएलडी ● पानी की उपलब्धता– सिंचाई विभाग कराएगा ● कचरा निकलेगा– 5156 किलोग्राम प्रति दिन ● एयरपोर्ट का कचरा– 576 किलोग्राम प्रति दिन ● कचरा उठान– नगर निगम ● दूसरे फेज के लिए समय– वर्ष 2024 ● प्रोजेक्ट की लागत– 946 करोड़ रुपये ● रोजगार की क्षमता– 3640 (ऑपरेशन फेज) व 500 निर्माणाधीन फेज

जीजेयू को यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड विवि रैंकिंग में देश में 12वां स्थान

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को यूआइ ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में देश में 12वां तथा दुनिया में 444वां स्थान मिला है। रैंकिंग का परिणाम आठ दिसंबर को यूनिवर्सिटाज इंडोनेशिया (यूआइ) द्वारा जारी किया है। यह रैंकिंग सेटिंग एवं इंफ्रास्ट्रक्चर (एसआइ), एनर्जी एंड क्लाइमेट चेंज (ईसी), वेस्ट (डब्ल्यूएस), वाटर (डब्ल्यूआर), ट्रांस्पोर्टेशन (टीआर) तथा एजुकेशन एंड रिसर्च (ईआर) सहित छह श्रेणियों के अंतर्गत सत्यापित आंकड़ों के आधार पर घोषित की गई है।

विश्वविद्यालय को विश्व स्तर पर एसआइ श्रेणी में 190वां, ईसी श्रेणी में 513वां, डब्ल्यूएस श्रेणी में 534वां, डब्ल्यूआर श्रेणी में 288वां, टीआर श्रेणी में 384वां और ईआर श्रेणी में 607वां स्थान मिला है। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर एसआइ श्रेणी में 7वां, ईसी श्रेणी में 14वां, डब्ल्यूएस श्रेणी में 11वां, डब्ल्यूआर श्रेणी में आठवां, टीआर श्रेणी में 13वां तथा ईआर श्रेणी में 18वां स्थान मिला है। इस ग्रीन मैट्रिक रैंकिंग में भारी संख्या में आइआइटीज, आइआइएमज तथा अन्य विश्वविद्यालयों ने भाग लिया।

विश्व स्तर पर 444वां स्थान हासिल कर अंतरराष्ट्रीय मानकों पर सस्टेनेबिलिटी में अपनी उपस्थिति को चिह्नित करना गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की एक अद्भुत उपलब्धि है। इस वर्ष इस रैंकिंग में 85 देशों के 912 संस्थानों ने भाग लिया, जो कि पिछले वर्ष के 81 देशों के 780 संस्थानों की तुलना में अधिक है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अवनीश वर्मा ने इस विश्व स्तरीय शानदार उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और बेहतर रैंकिंग मिलेगी। ज्ञात हो कि यूआइ ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया की पहली और एकमात्र विश्वविद्यालय रैंकिंग है। यह एनवायरन्मेंट फ्रैंडली बुनियादी ढांचे को विकसित करने में प्रत्येक प्रतिभागी विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का आंकलन करती है।

विवि रैंकिंग में देश और दुनिया में स्थान मिलने पर बिश्नोई सभा ने दी बधाई

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को यूआइ ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में देश में 12वां तथा दुनियाभर में 444वां स्थान मिलने पर जाम्भाणी साहित्य अकादमी और अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने बधाई दी है।

अकादमी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और जीव रक्षा सभा के हरियाणा मीडिया प्रभारी पृथ्वी सिंह बैनीवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की छत्रछाया में अनेकों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कीर्तिमान हासिल किए हैं। साथ ही यूनिवर्सिटी गुरु जंभेश्वर भगवान के नियमों पर अग्रसर होकर ग्रीन कैंपस व सतत विकास के लक्ष्य के साथ साथ आम जनमानस को जागरूक करने का कार्य भी

लंबे समय से कर रही है। जिसके परिणामस्वरूप यूआइ ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में स्थान मिला है। बैनीवाल ने कहा कि गुरु जंभेश्वर की शिक्षाएं एवं धर्म नियम आज के समय में कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने पर्यावरण की समस्या को 550 वर्ष पहले ही भांप लिया था। उन्होंने अपने नियमों में पर्यावरण की रक्षा का संदेश दिया था। पर्यावरण के प्रति उनके विचार बहुत कारगर हैं। वर्तमान समय में अनेकों समस्याओं से बचने के लिए और मानव मात्र को सुखी जीवन जीना है तो गुरु जंभेश्वर की शिक्षाओं को अपनाना होगा।

गुजविप्रौवि को यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भारत में मिला 12वां रैंक

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 दिसम्बर : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भारत में 12वां तथा दुनिया में 444वां रैंक मिला है। यूआई ग्रीन मीट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 का परिणाम आठ दिसम्बर को यूनिवर्सिटाज इंडोनेशिया (यूआई) द्वारा जारी किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अवनीश वर्मा ने इस विश्व स्तरीय शानदार उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी और कहा है कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय को और बेहतर रैंकिंग मिलेगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ग्रीन कैम्पस व सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी महाराज के सिद्धांतों का पालन करके यह विश्वविद्यालय इस संबंध में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। निदेशक प्रो. आशीष अग्रवाल के मार्गदर्शन में इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सैल ने यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के लिए अपेक्षित प्रमाण के साथ प्रश्नावली प्रस्तुत की थी।

जीजेयू को जाम्भाणी साहित्य अकादमी व जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने दी बधाई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 दिसम्बर : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भारत में 12वां तथा दुनियाभर में 444वां रैंक मिलने पर जाम्भाणी साहित्य अकादमी और अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने बधाई दी है। अकादमी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और जीव रक्षा सभा के हरियाणा मीडिया प्रभारी पृथ्वी सिंह बैनीवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार की छत्रछाया में अनेकों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कीर्तिमान हासिल किए हैं। साथ ही विश्वविद्यालय गुरु जम्भेश्वर जी भगवान के नियमों पर अग्रसर होकर ग्रीन कैम्पस व सतत विकास के लक्ष्य के साथ साथ आम जनमानस को जागरूक करने का कार्य भी लंबे समय से कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप आज यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में स्थान मिला है। बैनीवाल ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाएं एवं धर्म नियम आज के समय में कहीं अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने पर्यावरण की समस्या को 550 वर्ष पहले ही भांप लिया था। उन्होंने अपने नियमों में पर्यावरण की रक्षा का सन्देश दिया था। पर्यावरण के प्रति उनके विचार बहुत कारगर है। वर्तमान समय में अनेकों समस्याओं से बचने के लिए और मानव मात्र को सुखी जीवन जीना है तो गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाओं को अपनाना होगा।

गुजविप्रौवि को यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भारत में मिला 12वां रैंक

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 दिसम्बर : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भारत में 12वां तथा दुनिया में 444वां रैंक मिला है। यूआई ग्रीन मीट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 का परिणाम आठ दिसम्बर को यूनिवर्सिटाज इंडोनेशिया (यूआई) द्वारा जारी किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अवनीश वर्मा ने इस विश्व स्तरीय शानदार उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी और कहा है कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय को और बेहतर रैंकिंग मिलेगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ग्रीन कैम्पस व सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी महाराज के सिद्धांतों का पालन करके यह विश्वविद्यालय इस संबंध में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। निदेशक प्रो. आशीष अग्रवाल के मार्गदर्शन में इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सैल ने यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के लिए अपेक्षित प्रमाण के साथ प्रश्नावली प्रस्तुत की थी।

जीजेयू को जाम्भाणी साहित्य अकादमी व जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने दी बधाई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 दिसम्बर : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भारत में 12वां तथा दुनियाभर में 444वां रैंक मिलने पर जाम्भाणी साहित्य अकादमी और अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने बधाई दी है। अकादमी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और जीव रक्षा सभा के हरियाणा मीडिया प्रभारी पृथ्वी सिंह बैनीवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार की छत्रछाया में अनेकों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कीर्तिमान हासिल किए हैं। साथ ही विश्वविद्यालय गुरु जम्भेश्वर जी भगवान के नियमों पर अग्रसर होकर ग्रीन कैम्पस व सतत विकास के लक्ष्य के साथ साथ आम जनमानस को जागरूक करने का कार्य भी लंबे समय से कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप आज यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में स्थान मिला है। बैनीवाल ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाएं एवं धर्म नियम आज के समय में कहीं अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने पर्यावरण की समस्या को 550 वर्ष पहले ही भांप लिया था। उन्होंने अपने नियमों में पर्यावरण की रक्षा का सन्देश दिया था। पर्यावरण के प्रति उनके विचार बहुत कारगर है। वर्तमान समय में अनेकों समस्याओं से बचने के लिए और मानव मात्र को सुखी जीवन जीना है तो गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाओं को अपनाना होगा।

यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, देश में गुजवि का 12वां रैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय को यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भारत में 12वां तथा दुनिया में 444वां रैंक मिला है। यूआई ग्रीन मीट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 का परिणाम आठ दिसम्बर को यूनिवर्सिटाज इंडोनेशिया (यूआई) द्वारा जारी किया है। यूआई ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग दुनिया की पहली और एकमात्र विश्वविद्यालय रैंकिंग है जो इनवायर्नमेंट फ्रैंडली बुनियादी ढांचे को विकसित करने में प्रत्येक प्रतिभागी विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का आंकलन करती है। इस वर्ष इस रैंकिंग में 85 देशों के 912 संस्थानों ने भाग लिया, जो कि पिछले वर्ष के 81 देशों के 780 संस्थानों की तुलना में अधिक है।

■ रैंकिंग में 85 देशों के 912 संस्थानों ने भाग लिया

एसआई श्रेणी में विश्व स्तर पर 190वीं रैंकिंग

यूआई द्वारा यह रैंकिंग सेटिंग एवं इंफ्रास्ट्रक्चर (एसआई), एनर्जी एंड क्लाइमेट चेंज (ईसी), वेस्ट (डब्ल्यूएस), वाटर (डब्ल्यूआर), ट्रांस्पोर्टेशन (टीआर) तथा एजुकेशन एंड रिसर्च (ईआर) सहित छह श्रेणियों के अंर्तगत सत्यापित आंकड़ों के आधार पर घोषित की गई है। विश्वविद्यालय को विश्व स्तर पर एसआई श्रेणी में 190वां रैंक, ईसी श्रेणी में 513 वां रैंक, डब्ल्यूएस श्रेणी में 534वां रैंक, डब्ल्यूआर श्रेणी में 288वां रैंक, टीआर श्रेणी में 384वां रैंक, ईआर श्रेणी में 607वां रैंक मिला है। विवि को राष्ट्रीयस्तर पर एसआई श्रेणी में 7वां रैंक, ईसी श्रेणी में 14वां रैंक, डब्ल्यूएस श्रेणी में 11वां रैंक, डब्ल्यूआर श्रेणी में आठवां रैंक, टीआर श्रेणी में 13वां रैंक तथा ईआर श्रेणी में 18वां रैंक मिला है। इस ग्रीन मैट्रिक रैंकिंग में भारी संख्या में आईआईटीज, आईआईएमज तथा अन्य विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। विश्व स्तर पर 444वां रैंक हासिल करके अंतरराष्ट्रीय मानकों पर सस्टेनेबिलिटी में अपनी उपस्थिति को चिह्नित करना विश्वविद्यालय की उपलब्धि है।

कुलपति ने दी बधाई

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा ने इस विश्वस्तरीय शानदार उपलब्धि पर हर्ष जताया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय को बेहतर रैंकिंग मिलेगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ग्रीन कैंपस तथा सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी महाराज के सिद्धांतों का पालन कर यह विश्वविद्यालय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है।